

न्यायालय उपखण्ड अधिकारी, तिजारा जिला - खैरथल-तिजारा (राज0)
पीठासीन अधिकारी :- संजीव कुमार वर्मा (आर0ए0एस0)

तारीख दायर

14.03.24/2024

उनवान

तारीख फैसला

05/03/2024

मुकदमा नम्बर
12/2024

सारूप पुत्र स्व. श्री जमील जाति मेव निवासी ग्राम शेखपुर अहीर तहसील तिजारा जिला खैरथल-तिजारा (राज.)
-----: प्रार्थी

बनाम

राजस्थान सरकार जरिये भूमिधारी तहसीलदार, तिजारा जिला खैरथल-तिजारा (राज0)

प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा 136 राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम 1956

-----: अप्रार्थी

:- श्री इस्लामुदीन, एडवोकेट

उपस्थित

धीगण

:-: निर्णय :-:

प्रकरण के सूक्ष्म वृत्तान्त इस प्रकार है कि हाल आराजी खसरा नं. 276 रकबा 0.4400 है व हाल जी खसरा नं. 227 रकबा 0.0800 है, 230 रकबा 0.0300 है, 297 रकबा 0.2100 है, 299 रकबा 0.0600 है, 345 रकबा 0.1900 है, 353 रकबा 0.2500 है, 357 रकबा 0.1000 है, 358 रकबा 0.2300 है, 359 रकबा 0.1100 है, 360 रकबा 0.1100 है, 361 रकबा 0.2800 है, 362 रकबा 0.2700 है, 363 रकबा 0.4900 है, 364 रकबा 0.2800 है, वाके शेखपुर अहीर व हाल आराजी खसरा नं. 1771 रकबा 0.2800 है, 1795 रकबा 0.2800 है व हाल आराजी खसरा नं. 1796 रकबा 0.2500 है, 1798 रकबा 0.2600 है, 1813 रकबा 0.1500 है, 1834 रकबा 0.2800 है व हाल आराजी खसरा नं. 1817 रकबा 0.4000 है वाके ग्राम ईशरोदा तहसील तिजारा जिला खैरथल-तिजारा में स्थित जमाबन्दी हिस्सा निहित है। वर्णित आराजी में प्रार्थी व प्रार्थी के वारजन की संयुक्त कब्जे खातेदारी की भूमि हैं। वर्णित आराजी में मिन प्रार्थी व परिवार वालों का मुताबिक जमाबन्दी हिस्सा निहित है। वर्णित आराजी मिन प्रार्थी को अपने पिता जीमल से विरासत से मिली है। राजस्व विचारियों व अधिकारियों ने इन्तकाल दर्ज व मन्जूर करते समय प्रार्थी का नाम शाहरूख का अंकन कर दिया, इस समय मिन प्रार्थी नावालिग था। जिसके अनुसार उक्त आराजी के राजस्व रिकॉर्ड जमाबन्दी में मिन प्रार्थी का नाम शाहरूख चला आ रहा है। जबकि प्रार्थी का सही नाम सारूप है तथा प्रार्थी के आधार कार्ड, आयकर कार्ड, विवाहिक राशन कार्ड में सही नाम सारूप का अंकन दर्ज है। वर्णित आराजी की जमाबन्दी में मिन प्रार्थी का गलत नाम शाहरूख चला आ रहा है, जिससे मिन प्रार्थी के हितों पर कुठाराघात होता है। प्रार्थी जो कि ग्रामीण शिवेश का काश्तकार पेश है, जिसे कानून कायदे की कतई जानकारी नहीं है। प्रार्थी को अपनी पारिवारिक जरूरतों के लिए रकम की आवश्यकता थी, जिस पर मिन प्रार्थी के हल्का पटवारी के पास जाकर जमाबन्दी का अवलोकन किया तो मिन प्रार्थी को जब इस गलत अंकन की जानकारी हुई। जिस पर मिन प्रार्थी ने तहसीलदार तिजारा को आम शुद्धि करने का आवेदन पत्र दिनांक 11.03.2024 को पेश किया। जिस पर तहसीलदार, तिजारा ने प्रार्थी को दुरुस्त करने से मना कर दिया तथा कहा कि उक्त प्रकरण प्रार्थना पत्र 136 लैण्ड रेवेन्यु एक्ट परिधि में आता है और न्यायालय में जाकर चारा जोही करो। वर्णित आराजी की जमाबन्दी में मिन प्रार्थी का गलत नाम शाहरूख दर्ज होने से प्रार्थी को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। प्रार्थी अपनी आराजी पर लोन लेना व बेचान करने से असमर्थ है। इसलिए न्यायहित में मिन प्रार्थी को यह प्रार्थना पत्र आप श्रीमान्जी की समक्ष पेश करना आवश्यक हुआ है। प्रार्थना पत्र नियमानुसार कोर्ट फीस चस्था कर पेश है। प्रार्थना पत्र अन्तर्गत 136 लैण्ड रेवेन्यु एक्ट पेश कर निवेदन है कि हाल आराजी 276 रकबा 0.4400 है व हाल आराजी खसरा नं. 227 रकबा 0.0800 है,

